eDr cfld f'k{kk dk;Øe

Hkkjrh; Kku ijijk

i'u i= ik:i

fo"k;% संस्कृत **d{kk%** स्तर 'ग'

vf/kdre vd % 100 **le; %** 3 घंटे

1. उद्देश्यानुसार अंक विभाजन

mÌ';	**vid**	**fn, x, vidk dk ifr'kr**
ज्ञान	45	45%
समझ	40	40%
अनुप्रयोग / कौशल	15	15%
कुल	100	100%

2. प्रश्नों के प्रकारानुसार अंक विभाजन

i'u d idkj	**vid**	**i'uk dh l[;k**	**dy vid**
दीर्घउत्तरीय	6	4	24
लघुउत्तरीय –1	4	8	32
लघुउत्तरीय –2	2	7	14
अति लघुत्तरीय	1	1 (10 बहुविकल्पीय प्रश्न) 1 (10 रिक्त स्थान) 1 (10 एक वाक्य में उत्तर)	30
कुल		22	100

3. विषयवस्तु अनुसार अंक विभाजन

ikB uke	**vid**
1 धर्मराज युधिष्ठिर 2 पुरूषोत्तम 3 सुभाषित वचन	
4 प्रत्यय और कारक 5 सद्वचन 6 नीतिज्ञ चाणक्य 7 विद्या के महत्त्व पर सम्भाषण	
8 महान हिमालय पर्वमाला 9 कारक विभक्तियाँ 10 आयुर्वेद 11 विद्या–महत्त्व 12 चंद्रशेखर वेंकटरमण	100
कुल	100

4. प्रश्न पत्र का कठिनाई स्तर

mÌ';	**vid**	**fn, x, vidk dk ifr'kr**
कठिन	25	25%
औसत	50	50%
सरल	25	25%
कुल	100	100%

eDr cfld f'k{kk dk;Øe
Hkkjrh; Kku ijaijk
lLÑr Lrj *x*

vf/kdre vad % 100 **le; % 3 ?kaVs**

funsZ'k&

इस प्रश्न पत्र में कुल 22 प्रश्न हैं।

प्रश्न संख्या–1 में (i) से (x) तक बहुविकल्पीय प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक के लिये 1 अंक निर्धारित है। उत्तर के रूप में क, ख, ग तथा घ चार विकल्प दिये गये हैं, जिसमें से कोई एक सही है। आपको सही विकल्प चुनना है तथा अपनी उत्तर पुस्तिका में क, ख, ग तथा घ अथवा A, B, C, D में से जो सही है, उसे उत्तर के रूप में लिखना है।

प्रश्न संख्या–2 में (i) से (x) तक रिक्त स्थान भरो प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक के लिये 1 अंक निर्धारित है।

प्रश्न संख्या–3 में (i) से (x) तक अति लघुउत्तरीय प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक के लिये 1 अंक निर्धारित है। इनका उत्तर एक वाक्य में लिखना है।

प्रश्न सख्ंया–4 से संख्या–10 तक लघुउत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक के लिये 2 अंक निर्धारित है।

प्रश्न सख्ंया–11 से संख्या–18 तक लघुउत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक के लिये 4 अंक निर्धारित है।

प्रश्न सख्ंया–19 से संख्या–22 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक के लिये 6 अंक निर्धारित है।

1. नीचे दिये गये चार विकल्पों मे से सही विकल्प का चयन करें 1x10 = 10

(i) किसकी चोर भी चोरी नही कर सकता है?

(A) धन

(B) हीरा

(C) विद्या

(D) सचल संपत्ति

(ii) सभी प्रकार के धनों में सर्वश्रेष्ठ धन क्या है?

(A) धन

(B) हीरा

(C) विद्या

(D) सचल संपत्ति

(iii) क्या जिसे जितना अधिक उपयोग में लेने पर उतना ही अधिक बढ़ता है–

(A) विद्या

(B) गहने

(C) बैंक में रखा धन

(D) अपनी जेब में रखा धन

(iv) निम्न में क्या कल्पवृक्ष की तरह है–

(A) धन

(B) विद्या

(C) गाय

(D) राजा

(v) निम्नलिखित में से कौनसी विद्या की एक विशेषता नहीं है–

(A) यह एक छुपा हुआ खजाना है।

(B) यह प्रसन्नता के साथ प्रसिद्धि दिलाती है।

(C) यह विदेश गमन के दौरान बंधुजन की तरह होती है।

(D) जब आप मुश्किल में होते है तो यह सबसे बड़ी दुश्मन है।

(vi) विद्या के बिना कोई किसके तुल्य होता है–

(A) पशुतुल्य

(B) राजावत्

(C) ठगवत्

(D) महानापक

(vii) निम्न में से किसे धर्मराज भी कहते हैं–

(A) भीम

(B) अर्जुन

(C) युधिष्ठिर

(D) नकुल

(viii) निम्न में किनका जन्म, मृत्यु के देवता यमराज के आशिर्वाद से हुआ था –

(A) भीम

(B) अर्जुन

(C) युधिष्ठिर

(D) नकुल

(ix) निम्न में से कौन एक जटशत्रु के रूप में जाना जाता है।

(A) अर्जुन

(B) युधिष्ठिर

(C) कर्ण

(D) सुयोधन

(x) दशरथ पुत्र राम किस वंश में उत्पन्न हुए थे–

(A) सूर्य

(B) इक्ष्वाकु

(C) यदुवंश

(D) जनजातीय वंश

2. नीचे दिये गये प्रश्नों में वाक्य के अंत में दो शब्दों में से उपयुक्त को चुनकर वाक्य को पूरा करें– 1x10=10

(i) यस्मिन देशो न ..... (क्रियान्वयी / कर्तान्वयी)

(ii) कारकं नाम ..... न नृत्ति न च बान्धवा (सम्मानो / तिरस्कारः)

(iii) पूर्वजन्मकृतं ..... तद् दैवमिति कच्यते (कर्म / भाग्य)

(iv) यथा ..... न रथस्य गर्तिभवेत। (एकेन चक्रेण / सर्वाणि चक्रेण)

(v) भारतदेशस्य ..... पर्वतराज हिमालय सुशोभते। (उत्तरदिशायां / पूर्वदिशायां)

(vi) प्राधान्येन ..... जनाः हिमालयक्षेत्रे गच्छन्ति। (ग्रीष्मकाले / शीतकाले)

(vii) चन्द्रशेखररमणं 1930 तमें वर्षे ..... प्राप्तः (नोबेलपुरस्कारः / गांधीशांतिपुरस्कारः)

(viii) चन्द्रशेखररमण पिता ..... माता पार्वतीच। (चन्द्रशेखरः / सूर्यशेखरः)

(ix) सः हस्तेन पत्रं ..... (लिखतः / लिखति)

(x) आवां मित्रेण लट ..... (क्रीडामि / क्रिडावः)

3. निम्नलिखित का एक शब्द में उत्तर दीजिए– 1x10 = 10

(i) हिमालय क्षेत्र में स्थित किसी एक भ्रमणनगरी का नाम बताईये।

(ii) गर्मियों में लोग हिमालय क्षेत्र में क्यो जाना पसंद करते हैं?

(iii) हिमालय क्षेत्र में बहने वाली किसी एक नदी का नाम बताइये।

(iv) क्षमा को किसका आभूषण कहाँ जाता है?

(v) आयुर्वेद किस गन्थ का उपवेद कहाँ जाता है?

(vi) चरक संहिता ग्रन्थ के रचयिता कौन है?

(vii) सुश्रुतसंहिता ग्रन्थ के रचयिता कौन है?

(viii) वाग्भट्ट द्वारा आयुर्वेद पर कौनसा ग्रन्थ लिखा गया है।

(ix) "धातुओं" के लिए संस्कृत भाषा में क्या शब्द प्रयोग में होता है?

(x) संस्कृत शब्द "सहोदराः" का हिन्दी अर्थ लिखिए।

4. क्तवतु प्रत्यय का प्रयोग करते हुए संस्कृत के दो शब्द बनाइये। 1/2 x 4 = 2

5. क्या चीज है जिसे चोर चोरी नहीं कर सकता, राजा छीन नहीं सकता भाई बटवारा नहीं कर सकते और जो भार भी नहीं है। 2

6. संस्कृत भाषा में कारक की परिभाषा लिखिए। 2

7. चाणक्य के पिता तथा जन्मस्थान का नाम लिखिए। 1 x 2 = 2

8. 1924 में चन्द्रशेखर वेंकटरमण किस सोसाईटी के सदस्य चुने गए। 2

9. "अर्थशास्त्र" ग्रन्थ की मुख्य विषय वस्तु क्या है? 2

10. नीचे दिये गये शब्दों का अर्थ बताइये– 2

(A). सम्प्रति

(B). विभागः

11. नीचे दिये गये श्लोक का अन्वय लिखिए– 4

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः ।

न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगाः ।।

12. विद्या का महत्त्व बताइये। 4

13. प्रथमा विभक्ति का प्रयोग करते हुए तीनों वचनों में एक–एक वाक्य का निर्माण कीजिये। 2 x 2 = 4

14. हमारे जीवन में विद्या के महत्त्व को रेखांकित कीजिए। 4

15. नीचे दिये गये श्लोक की व्याख्या कीजिए– 4

यथा ह्येकेन चक्रेण न रथस्य गतिर्भवेत् ।

तथा पुरुषकारेण विना दैवं न सिद्धयति ।।

16. हिमालय पर्वतमाला से उद्‌गम करने वाली किन्ही चार नदियों के नाम लिखिए। 1 x 4 = 4

17. चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग करते हुए चार संस्कृत वाक्यों का निर्माण कीजिए। 1 x 4 = 4

18. नीचे दिये गये श्लोक की व्याख्या कीजिए– 4

काव्यशास्त्रविनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।

व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा । ।

19. भौतिकी में सी. वी. रमण के योगदान को बताईये। 6

20. नीचे दिये गये श्लोक का अन्वय करते हुए व्याख्या कीजिए। 6

रामो विग्रहवान् धर्मः साधुः सत्यपराक्रमः ।

राजा सर्वस्य लोकस्य देवानामिव वासवः ।।

21. मगध जनपद के नंदसंम्राज्य पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए। 6

22. आयुर्वेद के अनुसार चार प्रकार के जीवन के विषय में लिखिए। 6

eDr cfld f'k{kk dk;Øe
Hkkjrh; Kku ijijk
lLÑr Lrj *x*
vid ;kstuk

iz-Ø-	vid ;kstuk	vid forj.k	dqy vid
1.	(i) C (ii) C (iii) A (iv) B (v) D (vi) A (vii) C (viii) C (ix) B (x) B	1 x 10	10
2.	(i) सम्मानो (ii) गतवान (iii) क्रियान्वयी (iv) एक्रेन चक्रेण (v) उत्तरदिशायां (vi) ग्रीष्मकाले (vii) नोबेलपुरस्कारः (viii) चन्द्रशेखरः (ix) लिखति (x) क्रिडामः	1 x 10	10
3.	(i) शिमला, देहरादून, श्रीनगर, मसूरी, नैनीताल, दार्जिलिंग (ii) अच्छी सेहत के लिए (iii) गंगा, यमुना, शतुद्री, विपासा (iv) विद्या (v) अथर्ववेद (vi) चरक (vii) शुश्रुत (viii) अष्टांगहृदयम् (ix) धातवः (x) भाई	1 x 10	10
4.	गतवती, पाठतवान, श्रुतवान्, धावितवत्, दृष्टवती (कोई चार)	1/2 x 4	2
5.	विद्याधनम्	2	2

<table>
<tr><td>6.</td><td>क्रियान्वयि कारकम्। क्रियायाः अन्वयः – क्रियान्वयः। अन्वयः सम्बन्धः। क्रियान्वयः अस्य अस्ति इति क्रियान्वयि। यः क्रियया अन्वेति (सम्बन्धं प्राप्नोति) सः कारकम् इत्युच्यते इति अर्थः। इदं च कारकं षड्विधम्। कर्तृकारकं, कर्मकारकं, करणकारकं, सम्प्रदानकारकं, अपादानकारकं, अधिकरणकारकमिति।</td><td>1/2 x 4</td><td>2</td></tr>
<tr><td>7.</td><td>चणक; पाटलिपुत्रम्</td><td>1/2 x 4</td><td>2</td></tr>
<tr><td>8.</td><td>रॉयल सोसाईटी के फेलो</td><td>1/2 x 4</td><td>2</td></tr>
<tr><td>9.</td><td>राजनीति कर्तव्य, कानून तथा कानन का आचरण</td><td>1/2 x 4</td><td>2</td></tr>
<tr><td>10.</td><td>(A) अब
(B) प्रभाग/विभाग</td><td>1/2 x 4</td><td>2</td></tr>
<tr><td>11.</td><td>अन्वयः – कार्याणि उद्यमेन हि सिध्यन्ति न मनोरथैः (सिध्यन्ति) ।
सुप्तस्य सिंहस्य मुखे मृगाः न हि प्रविशन्ति ।</td><td>1 x 4</td><td>4</td></tr>
<tr><td>12.</td><td>विद्या न चोर चोरी कर सकता है, न राजा ही छीन सकता है, न ही बंधुजन बंटवारा कर सकते है, और न ही भारकारी है। जितना खर्च करोगे उतना ही नित्य बढती रहती है। विद्या सभी धनों में प्रधान धन है।</td><td>4</td><td>4</td></tr>
<tr><td>13.</td><td>वाक्य में क्रिया की सिद्धि जिससे होती है उसे कारक कहते हैं अर्थात क्रिया की जनकता को कारक कहते हैं –क्रियाजनकत्वां कारकत्वम्।
कर्ता कर्म च करणं सम्प्रदानं तथैव च।
अपादानाधिकरणम् इत्याहुः कारकाणि षट् ।। इति।।</td><td>1 x 4</td><td>4</td></tr>
<tr><td>14.</td><td>मूर्ख व्यक्ति को अपने घर पर सम्मान मिलता है, प्रभु को पूरे ग्राम में मान मिलता है। राजा की पूजा/सम्मान अपने राज्य की सीमाओं में ही मिलती है परन्तु विद्वान लोग सर्वत्र पूजे जाते हैं।</td><td>2 x 4</td><td>4</td></tr>
<tr><td>15.</td><td>जिस प्रकार से एक पहिये के आधार पर रथ चल नहीं सकता है उसी तरह पुराषार्थ के बिना भाग्य भी आपकी इच्छाओं की पूर्ति नहीं कर सकता है।</td><td>2 x 4</td><td>4</td></tr>
<tr><td>16.</td><td>गंगा, यमुना, शतुद्री, विपाशा, चन्द्रभागा (कोई चार)</td><td>1 x 4</td><td>4</td></tr>
<tr><td>17.</td><td><table><tr><th>Ø-l</th><th>,dopue</th><th>f}opue</th><th>cgopue</th></tr><tr><td>1.</td><td>शिक्षकः छात्राय पुस्तकं यच्छति</td><td>शिक्षकौ छात्राय पुस्तकं यच्छतः</td><td>शिक्षकाः छात्राय पुस्तकं यच्छन्ति</td></tr><tr><td>2.</td><td>त्वं भिक्षुकाय धनं यच्छसि</td><td>युवां भिक्षुकाय धनं यच्छथः</td><td>यूयं भिक्षुकाय धनं यच्छथ</td></tr><tr><td>3.</td><td>अहं गुरवे फलं नयामि</td><td>आवां गुरवे फलं नयावः</td><td>वयं गुरवे फलं नयामः</td></tr></table></td><td>1 x 4</td><td>4</td></tr>
</table>

18.	बुद्धिमान व्यक्ति अपना समय साहित्य और दर्शन के अध्ययन में व्ययतीत करते हैं जबकि मूर्ख व्यक्ति व्यसन, निदा अथवा लडाई–झगडे में समय खराब करते रहते हैं।		
19.	तदनत्तर उन्होने "इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ कल्टीवेशन ऑफ साईस" के साथ प्रयोग करना शुरू किया। शौधकार्य में इनकी रूचि को देखते हुए कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति आशुतोष मुखर्जी ने भौतिक शास्त्र विभाग के प्रमुख के रूप में कार्य करने के लिए इनसे अनुरोध किया। भौतिकी में शोध करते हुए उन्होनें कलकत्ता विश्वविद्यालय से "डॉक्टर ऑफ साईस" की उपाधि प्राप्त की। 1924 ई0 में वे "रोयल सोसाइटी" के फेलो चुने गए। उन्होनें अपने कार्य "प्रकाश का विखराव और रमण प्रभाव" की खोज के लिए 1930 में भौतिकी का नोबल पुस्कार जीता। रमन 1948 के भारतीय विज्ञान संस्थान से सेवानिवृत्त हुए और 1954 में बैगलोर मे रमण शोध संस्थान की स्थापना की। 1954 में भारत सरकार की उन्हें आम नागरिकों को दिये जाने वाले सर्वोच्च सम्मान – भारत रत्न से सम्मानित किया। 1957 में उन्हें शांति के लेनिन पुस्कार से भी सम्मनित किया गया। विज्ञान के क्षेत्र में नोबल पुस्कार पाने वाले ने पहले एशियन तथा गैर–श्वेत थे। उन्होनें खोजा था कि जब पारदर्शी पदार्थ प्रकाश संचरण करता है तो व्याकुंच्चित प्रकाश का तरङ्गधैर्य परिवर्तित होता है– इसे रमण प्रभाव कहते हैं। इसी शोध के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार दिया गया। यह इनकी बडी मेहनत द्वारा किया गया कार्य था। इस तरह अनेक वैज्ञानिकों ने विज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। यह हम सभी भारतीयों के लिए गर्व की बात है।	6	6
20.	श्रीराम न्याय परायणता के मूलरूप, सत्य और पराक्रम युक्त, सज्जन, जिस तरह इन्द्र देवताओं ने राजा थे, उसी तरह सर्वलोक के पालनहार राजा थे।	6	6
21.	पाटलिपुत्र नगर में बुद्धिमान, सर्वगुणसम्पन्न, राष्ट्रभक्त और सभी शास्त्रों के ज्ञाता चाणक्य भी रहते थे। सभी राज भक्त चाणक्य के साथ परामर्श करते रहते थे। घनानंद को समझाने के लिए चाणक्य उसके सामने गये परंतु घनानंद गुस्से में हो गया और उसने चाणक्य का अपमान कर दिया। उसी समय पर सात्विक चाणक्य ने नंद साम्राज्य के विनाश करने की प्रतिज्ञा ले ली। उसने एक धीरललित, शास्त्रों में निपुण वीर युवक को देखा। उनका नाम चन्द्रगुप्त था। चाणक्य ने चन्द्रगुप्त में अद्भूत सामर्थ्य देखा था। इसलिए चाणक्य ने अपनी बुद्धि–कौशल से दुष्ट घनानंद के अधिकार से राज्य को छीनकर नंदवंश का सम्पूर्ण विनाश	6	6

	करके चन्द्रगुप्त को मगध का राज्य दे दिया। स्वयं चाणक्य उसका महामंत्री बना। चन्द्रगुप्त के पराक्रम से तथा चाणक्य के बुद्धि–कौशल से मगधसाम्राज्य फिर से सुख–समृद्धि से युक्त हो गया।		
22.	आयुर्वेद के अनुसार आयु चार प्रकार की होती है – हितायुः, अहितायुः, सुखायु और दुःखायु। मानसिक शारीरिक रोग रहित ज्ञानी तथा सुदृढ़ मनुष्य की आयु सुखायुः होती है। इसके विपरीत आयु दुःखायु होती है। छः प्रकार के दुश्मनों पर विजय प्राप्त तथा सबके कल्याण में रत मनुष्य की आयु हितायु है तथा इसके विपरीत आयु अहितायु होती है। शरीर–इन्द्रिय और सत्वात्म–संयोग आयु है। इसके विपरीत तो शरीर अनेक प्रकार की आधि–व्याधियों का घर ही है। इसलिए शरीर को बिमारियों से दूर रखना तथा स्वास्थ्य को अधिक स्वास्थ्यप्रद बनाना–ये दो ही आयुर्वेद के उद्देश्य हैं।	6	6